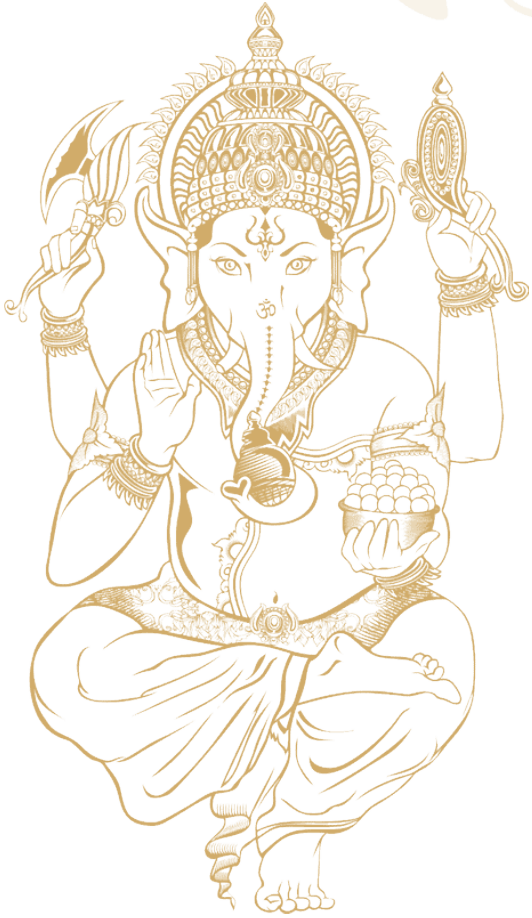

??????? ?????

04 Sep 2000

10:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121245403

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 04/09/2000**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	**: 10:20:00 घंटे**
इष्ट	: 10:48:09 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:58:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:01:01 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:53:21 घंटे
सूर्योदय	: 06:00:44 घंटे
सूर्यास्त	: 18:38:55 घंटे
दिनमान	: 12:38:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 18:06:03 सिंह
लग्न के अंश	: 13:56:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**: वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**: विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: वैधृति
करण	: गर
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:56:21	309:40:40	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	18:06:03	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	01:18:54	12:30:21	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	नीच राशि
मंगल			कर्क	28:01:41	00:38:06	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	29:50:51	01:43:24	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृष	16:19:37	00:04:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	11:06:35	01:13:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	नीच राशि
शनि			वृष	07:03:17	00:00:54	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	29:33:03	00:02:51	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	29:33:03	00:02:51	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	24:03:52	00:02:07	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप	व		मक	10:22:12	00:01:12	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:20:46	00:00:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	17:01:04	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:44

लग्न-चलित

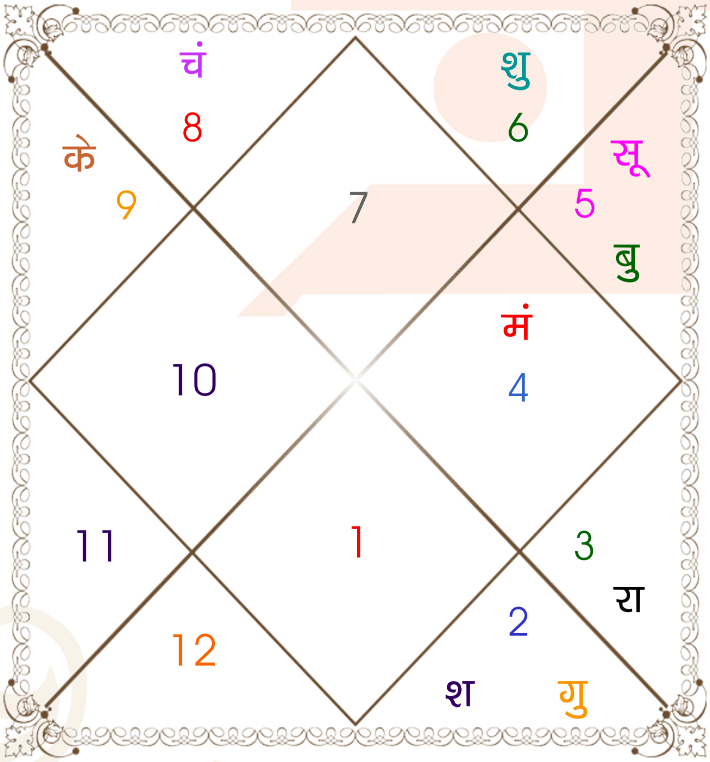

चन्द्र कुंडली

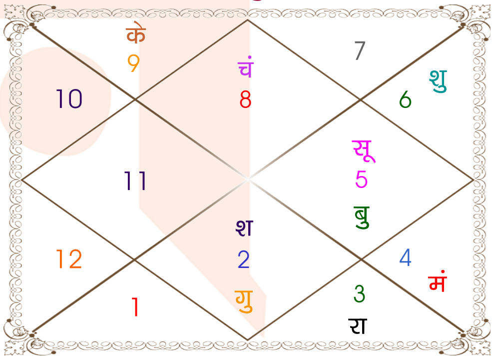

नवमांश कुंडली

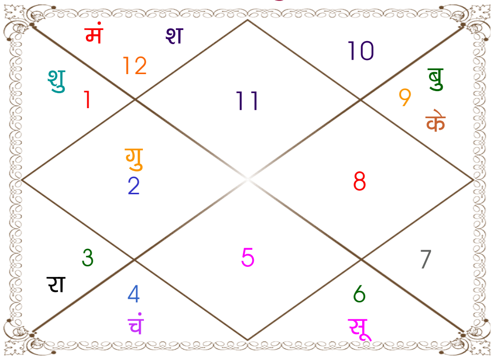

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 5 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/09/2000		06/02/2003		05/02/2022		06/02/2039		05/02/2046	
06/02/2003		05/02/2022		06/02/2039		05/02/2046		05/02/2066	
	00/00/0000	शनि	08/02/2006	बुध	04/07/2024	केतु	05/07/2039	शुक्र	07/06/2049
	00/00/0000	बुध	19/10/2008	केतु	01/07/2025	शुक्र	03/09/2040	सूर्य	07/06/2050
	00/00/0000	केतु	27/11/2009	शुक्र	01/05/2028	सूर्य	09/01/2041	चंद्र	06/02/2052
	00/00/0000	शुक्र	27/01/2013	सूर्य	08/03/2029	चंद्र	10/08/2041	मंगल	07/04/2053
	00/00/0000	सूर्य	09/01/2014	चंद्र	07/08/2030	मंगल	06/01/2042	राहु	07/04/2056
	00/00/0000	चंद्र	10/08/2015	मंगल	04/08/2031	राहु	24/01/2043	गुरु	07/12/2058
	04/09/2000	मंगल	18/09/2016	राहु	21/02/2034	गुरु	31/12/2043	शनि	05/02/2062
मंगल	12/09/2000	राहु	26/07/2019	गुरु	28/05/2036	शनि	08/02/2045	बुध	06/12/2064
राहु	06/02/2003	गुरु	05/02/2022	शनि	06/02/2039	बुध	05/02/2046	केतु	05/02/2066

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/02/2066		06/02/2072		05/02/2082		05/02/2089		07/02/2107	
06/02/2072		05/02/2082		05/02/2089		07/02/2107		00/00/0000	
सूर्य	26/05/2066	चंद्र	06/12/2072	मंगल	04/07/2082	राहु	19/10/2091	गुरु	27/03/2109
चंद्र	25/11/2066	मंगल	07/07/2073	राहु	23/07/2083	गुरु	14/03/2094	शनि	08/10/2111
मंगल	01/04/2067	राहु	06/01/2075	गुरु	28/06/2084	शनि	18/01/2097	बुध	13/01/2114
राहु	24/02/2068	गुरु	07/05/2076	शनि	07/08/2085	बुध	07/08/2099	केतु	20/12/2114
गुरु	12/12/2068	शनि	06/12/2077	बुध	04/08/2086	केतु	26/08/2100	शुक्र	20/08/2117
शनि	24/11/2069	बुध	08/05/2079	केतु	31/12/2086	शुक्र	26/08/2103	सूर्य	08/06/2118
बुध	01/10/2070	केतु	07/12/2079	शुक्र	01/03/2088	सूर्य	20/07/2104	चंद्र	08/10/2119
केतु	06/02/2071	शुक्र	07/08/2081	सूर्य	07/07/2088	चंद्र	19/01/2106	मंगल	05/09/2120
शुक्र	06/02/2072	सूर्य	05/02/2082	चंद्र	05/02/2089	मंगल	07/02/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।